drugs & formulations and in view of the under-takings given by the companies in the Hon'ble Court, these companies became liable to deposit the over-charged amounts into DPEA.

**जीवन रक्षक औषधियों का निर्माण**

1115. **श्री अजीत जोगी:**
**श्री एस० एस० सुरजेवाला:**

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत में जीवन-रक्षक औषधियों का निर्माण किया जाता है;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान कितने मूल्य की ऐसी औषधियों का निर्माण किया गया और इसमें से कितने मूल्य की औषधियों का निर्यात किया गया;

(ग) क्या जीवन-रक्षक औषधियों का आयात-निर्यात से अधिक किया जा रहा है और यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान कितने मूल्य की औषधियों का आयात किया गया;

(घ) क्या देश में औषधियों के निर्माण में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो क्या इन औषधियों का निर्यात किया जा रहा है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री एम० अरूणाचलम) (क) और (ख) "जीवन रक्षक" शब्द सापेक्ष है और यह रोग तथा इसकी परिस्थितियों पर निर्भर करता है। भारत भेषजों के उत्पादन में अधिकतर आत्मनिर्भर है। 1993-94 से लेकर 1995-96 तक तीन वर्षों के दौरान औषधों के उत्पादन तथा निर्यात की कीमत इस प्रकार है:—

(रु० करोड़ में)

| वर्ष | उत्पादन की कीमत | | निर्यात की कीमत * | |
|---|---|---|---|---|
| | प्रपुंज औषध | सूत्रयोग | प्रपुंज औषध | सूत्रयोग |
| 1993-94 | 1320 | 6900.00 | 1029.60 | 771.80 |
| 1994-95 | 1518 | 7935.00 | 1260.70 | 924.00 |
| 1995-96 | 1822 | 9125.00 | 1098.00 | 1239.00 |

(ग) जी, नहीं। जहां तक ब्यौरे उपलब्ध हैं, प्रपुंज औषधों तथा सूत्रयोगों के आयात की कुल कीमत कुछेक वर्षों में कुल निर्यात की तुलना में कम रही है। ब्यौरे इस प्रकार हैं:—

(रु० करोड़ में)

| वर्ष | प्रपुंज औषधों और सूत्रयोगों के निर्यात की कुल कीमत | प्रपुंज औषधों तथा सूत्रयोगों के आयात की कुल कीमत (**) | व्यापार संतुलन |
|---|---|---|---|
| 1993-94 | 1801.40 | 751.07 | (+)1050.33 |
| 1994-95 | 2184.70 | 984.45 | (+)1200.25 |
| 1995-96 | 2337.00 | 1228.00 (अनुमानित) | (+)1109.00 (अनुमानित) |

(घ) और (ङ) जी, हां। उत्पादन तथा निर्यात पिछले कई वर्षों से बढ़े है। ब्यौरे इस प्रकार हैं:—

(रु० करोड़ में)

| वर्ष | प्रपुंज औषधों और सूत्रयोगों के उत्पादन की कुल कीमत | प्रपुंज औषधों तथा सूत्रयोगों के निर्यात की कुल कीमत |
|---|---|---|
| 1993-94 | 8220.00 | 1801.40 |
| 1994-95 | 9453.00 | 2184.70 |
| 1995-96 | 10947.00 | 2337.00 |

*स्रोत केमेक्सिल।

**डी जी एच एस।

## उर्वरकों की आपूर्ति

1116. **श्री एस० एस० सुरजेवालाः**
**श्री अजीत जोगीः**

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश के विभिन्न भागों को उनकी आवश्यकता के अनुसार उर्वरकों की आपूर्ति नहीं की जा रही है;

(ख) यदि हां, तो क्या उर्वरकों को विभिन्न स्थानों तक पहुंचाने के लिए सरकार ने कोई नीति बनाई है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री एम० अरूणाचलम)**: (क) से (ग) यूरिया जो मूल्य, वितरण एवं संचलन नियंत्रणों के अधीन एकमात्र उर्वरक है, की देश के विभिन्न भागों में आपूर्ति आवश्यक वस्तु अधिनियम (ई सी ए) 1955 के अधीन किए गए आबंटनों और मौसमवार कृषि आवश्यकताओं के अनुसार की जाती है। अस्थाई और स्थानीकृत कमियों को वैकल्पिक स्रोतों से तुरन्त आपूर्तियां करके पूरा किया जाता है।

निर्माता एककों और पत्तनों से देश के विभिन्न भागों में यूरिया के प्रेषणों को विस्तृत संचलन योजना के अनुसार विनियमित किया जाता है। यूरिया और उर्वरकों के संचलन में बाधाओं को, यदि कोई हो, तो अंतः अभिकरण समन्वय के संस्थागत व्यवस्थाओं के माध्यम से दूर किया जाता है।

नियंत्रणयुक्त उर्वरकों की उपलब्धता मांग और आपूर्ति की बाजार शक्तियों द्वारा विनियमित की जाती है। खरीफ, 97 के दौरान देश में इसकी उपलब्धता मांग की तुलना में संतोषजनक रही है। पूर्वोत्तर राज्यों और जम्मू कश्मीर के दुर्गम क्षेत्रों में इन उर्वरकों के परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए भाड़ा लागत को अलग से चुकाने के लिए कृषि एवं सहकारिता विभाग, भारत सरकार की फास्फेटिक एवं पोटेसिक उर्वरकों पर रियायत योजना के तहत विशेष छूट प्रदान की गई है।

**Disruption of production in SSPL**

1117 SHRI NILOTPAL BASU: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to refer to the reply to Unstarred Question 2128 given in the Rajya Sabha on the 14th March, 1997 and state:

(a) whether there has been a growth to 350% approximately in production and sale of SSPL in 1996-97 as compared to 1994-95;

(b) whether SSPL has made a cash profit of Rs. 3 lakhs (provisional) in March, 1997;

(c) whether inspite of the above, required non-plan support from Government and working capital from bank are not being provided leading to total disruption in production of SSPL; and

(d) if so, the reasons therefor and the action being taken by Government?